न्यूज डायरी

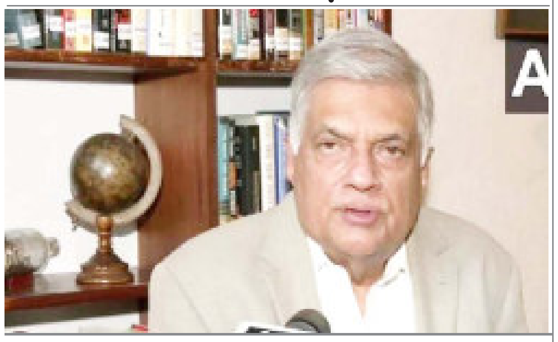

चीन की कुछ परियोजनाएं अब भी हैं श्रीलंका के पास: पूर्व पीएम विक्रमसिंघे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के बीच पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सोमवार को कहा, श्चीन की कुछ परियोजनाएं श्रीलंका में हैं लेकिन देश ने न तो बीजिंग को दिया है और न ही किसी और को। इन दिनों अभूतपूर्व संकट से गुजर रहे श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) से फंड मिलने तक भारत से और आर्थिक मदद का आग्रह किया है। आइएमएफ से फंड मिलने में तीन–चार महीने लग सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि श्रीलंका ने भारत से जापान जैसे उसके मित्र देशों और बहुपक्षीय संगठनों से कर्ज दिलाने में मदद करने की भी अपील की है। इससे पहले भारत ने श्रीलंका को तेल के भुगतान के लिए 50 करोड़ डालर की मदद दे चुकी है और एक अरब डालर का कर्ज देने को भी सहमत है। इसके अलावा चावल व अन्य खाद्य सामग्री की भी लगातार आपूर्ति कर रहा है।

स्वीडन में कुरान जलाए जाने पर सऊदी अरब आग बबूला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। यूरोपीय देश स्वीडन में कुरान को जलाए जाने की घटना के बाद पिछले 4 दिनों से बवाल मचा हुआ है। स्वीडन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे हैं। मुस्लिमों के पवित्र धर्मग्रंथ कुरान को जलाए जाने की घटना को धुर दक्षिणपंथी इस्लाम विरोधी गुट ने अंजाम दिया है। इस संगठन ने ऐलान किया है कि वह आगे अभी और कुरान को जलाए जाने की घटना को अंजाम देगा। इस बीच मुस्लिम देशों का अगुआ सऊदी अरब स्वीडन में कुरान जलाए जाने की घटना पर भड़क उठा है। स्वीडन में पिछले 4 दिनों से चल रहे दंगे की वजह से कई शहरों में पत्थरबाजी की घटनाएं हुई हैं। स्ट्राम कुर्स या हार्ड लाइन संगठन का नेतृत्व करने वाले डेनिस–स्वीडिश अतिवादी रासमुस पालूदान ने ऐलान किया है कि उसने कुरान को जलाया है और वह आगे भी इसे अंजाम देगा। स्वीडन के शहर नोरकोपिंग में 3 दंगाई पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

यदि उठाया कोई विरोधी कदम तो इजरायल बनेगा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। ईरान और इजरायल में जारी तनाव के बीच धमकियों का सिलसिला शुरू हो गया था। इस क्रम में ईरान के राष्ट्रपति ने धमकाया है कि इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ उठाया जाने वाला छोटा सा कदम भी इजरायल को भारी पड़ सकता है। राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने सोमवार को एक मिलिट्री परेड से कहा है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने 2021 के नवंबर में धमकी देते हुए कहा था कि यदि इजरायल इस्लामिक रिपब्लिक पर हमला करने की हिम्मत करता है तो उसे गंभीर आर्थिक कीमत चुकानी पड़ेगी। शामखानी ने ट्वीट कर कहा था कि ईरान के खिलाफ अत्याचारों के लिए 1.5 बिलियन डॉलर का बजट आवंटित करने के बजाय यहूदी शासन को ईरान की चौंकाने वाली प्रतिक्रिया के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए दसियों हजार बिलियन डॉलर की फंडिंग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बीच पर घूमने के दौरान टेक्सस में एक दंपति को ब्लू ड्रैगन मिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। सोचिए आप एक टापू पर घूमने गए हैं। नीला समंदर और ठंडी–ठंडी रेत के मजे ले रहे हैं, तभी आपको अपनी छोटी उंगली के बराबर एक क्यूट सी मछली दिखती है। लेकिन क्या होगा अगर आपको पता चले कि वह क्यूट सी मछली आपकी जान ले सकती है। कुछ ऐसा ही हुआ अमेरिका में टेक्सस के सैन एंटोनियो के रहने वाले एरिक यांता के साथ, जब वह अपनी पत्नी के साथ मुस्तांग टापू पर घूमने गए थे। समुद्र के किनारे घूमने के दौरान यांता और उनकी पत्नी ने नीले रंग का एक छोटा सा खूबसूरत जीव देखा जो करीब एक इंच का ही था। नीले रंग का यह जीव पत्थर से चिपका था। एरिक ने पत्थर को उठा लिया और उसे वापस पानी में डाल दिया। पानी में डालने से पहले उन्होंने बेहद करीब से उसका वीडियो भी बनाया।

रूसी धमकी के आगे नहीं झुके मारियुपोल में डटे यूक्रेनी सैनिक

धमकी

रूस ने कहा था कि यूक्रेन के सैनिक या तो सरेंडर करें या मरने के लिए तैयार रहें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
मास्को। यूक्रेन के रणनीतिक रूप से बेहद अहम बंदरगाह शहर मारियुपोल में एक स्टील फैक्ट्री में डटे यूक्रेनी सैनिकों ने रूस की धमकी के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। यूक्रेनी सैनिकों ने कहा कि वे सरेंडर नहीं करेंगे। इससे पहले रूस ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए समय सीमा दी थी जो अब खत्म हो गई है। रूस ने कहा था कि यूक्रेन के सैनिक या तो सरेंडर करें या मरने के लिए तैयार रहें। खबरों के मुताबिक रूस ने मारियुपोल के ज्यादातर हिस्सों पर अब कब्जा कर लिया है और यूक्रेन का पहला बड़ा शहर है जो पुतिन के कब्जे में आया है।

हालांकि यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि मारियुपोल पर अभी भी रूसी सेना का पूरी तरह से कब्जा नहीं हो पाया है। इस बीच रूसी सेना ने कहा है कि वह सोमवार से मारियुपोल में प्रवेश और बाहर जाने के सभी रास्तों को बंद कर रही है। इस दौरान शहर में मौजूद पुरुषों को फिल्टर किया जाएगा। यही नहीं रूसी सेना ने शहर में रह रहे लोगों को पास जारी कर रही है और मारियुपोल में एक जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए यह पास दिखाना होगा।

यूक्रेन जंग में रूस की अब तक की सबसे बड़ी जीत!: पिछले सात सप्ताह से चल रही भीषण जंग के बाद मारियुपोल का रूसी सेना के कब्जे में जाना भारी तबाही मचाने के बाद संभव हुआ है। पूरा शहर कंक्रीट के ढेर में बदल चुका है। मारियुपोल पर अगर रूसी सेना का पूरी तरह से कब्जा हो जाता है तो यह जंग में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत होगी। इस शहर पर कब्जे के बाद रूसी सैनिक अब यूक्रेन के औद्योगिक पूर्वी शहर पर नियंत्रण के लिए बढ़ सकेंगे। मारियुपोल पर कब्जा करने के साथ ही अब रूस क्रीमिया प्रायद्वीप के जमीनी कॉरिडोर को पूरी तरह से सुरक्षित कर सकेगी।

रूसी सेना ने साल 2014 में क्रीमिया पर कब्जा किया था। साथ ही यूक्रेन को एक विशाल बंदरगाह और महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र से हाथ धोना पड़ेगा। इससे पहले रूसी सेना ने कहा था कि पूर्वी यूक्रेन में मारियुपोल के पूरे शहरी क्षेत्र को यूक्रेनी सशस्त्र बलों और विदेशी भाड़े के सैनिकों से पूरी तरह से मुक्त करा लिया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने शनिवार को एक ब्रीफिंग में कहा कि शहर में लड़ाई के दौरान यूक्रेन के 1,464 सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, आजोव सागर पर एक प्रमुख बंदरगाह शहर के रूप में, मारियुपोल रूस–यूक्रेन संघर्ष का केंद्र बन गया है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट में नवाज शरीफ की याचिका खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के लिए राजनयिक पासपोर्ट जारी करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। पाकिस्तान मीडिया की ओर से यह जानकारी दी गई। पिछले सप्ताह पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद शहबाज शरीफ ने नवाज शरीफ के लिए तत्काल राजनयिक पासपोर्ट जारी करने के आदेश दे दिए थे। ऐसी खबर मिली कि ईद के बाद नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटेंगे।

पाकिस्तान की नई सरकार ने गृह मंत्रालय को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ व पूर्व वित्त मंत्री इशाक डार के पासपोर्ट के नवीकरण का निर्देश दिया था। लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग को भी पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज नेताओं के पासपोर्ट के नवीकरण पर काम शुरू करने का आदेश दिया गया है।

बता दें कि नवाज शरीफ का पासपोर्ट इसी साल फरवरी में एक्सपायर हो गया था और इमरान खान के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने उनके पासपोर्ट के रिन्यूअल से इनकार कर दिया था। लेकिन अब देश में नई सरकार बनने के बाद उनकी पाकिस्तान वापसी की संभावना बढ़ी है। साल 2019 में उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मिल गई।

अफगानिस्तान के पास है गजब की तकनीक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान ने कई सालों से युद्ध को झेला है। अब इसी अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ गया है। लेकिन आज हम तालिबान और आतंकवाद की जगह अफगानिस्तान की उस ऐतिहासिक तकनीक से आपको परिचित करवाएंगे, जिसके जरिए लोग बिना किसी बिजली और बिना किसी रेफ्रिजरेटर के लंबे समय तक अंगूरों और फलों को ठंड के मौसम में बचा कर रखते हैं। यह तकनीक इतनी बेहतर है कि छह महीने तक लोग अंगूरों को सुरक्षित रख पाते हैं। अंगूरों को सुरक्षित रखने की यह तकनीक मिट्टी से बनी है। यह मिट्टी के दो कटोरे होते हैं, जिसमें अंगूरों को रख कर उसे ऊपर से भी मिट्टी से ही सील कर दिया जाता है।

ओमिक्रोन का एक्सई वैरिएंट क्या है, क्या इससे चिंतित होना चाहिए?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

क्वींसलैंड। ऐसा लगता है कि हर कुछ हफ्तों में हम एक नए कोरोना संस्करण के बारे में सुनते हैं, और यह जानना कठिन है कि हमें उनसे कितना चिंतित होना चाहिए। अब एक पुनः संयोजक संस्करण उभरा है, जिसे ओमिक्रोन एक्सई कहा जा रहा है, जो एक ही मरीज में दो ओमिक्रोन उपभेदों के मिश्रण का परिणाम है और फिर आगे दूसरों को संक्रमित कर रहा है। तो हम इस नए संस्करण के बारे में क्या जानते हैं, और क्या हमें चिंता करने की जरूरत है?

ओमिक्रोन और इसके प्रकार ओमिक्रोन सार्स–कोव–2 वायरस का एक प्रकार है जिसे पहली बार 11 नवंबर 2021 को बोत्सवाना में खोजा गया था और 26 नवंबर को डब्ल्यूएचओ ने इसे चिंता का एक प्रकार नामित किया था। उसके बाद से दुनिया भर में इसका प्रसार हुआ और यह डेल्टा के स्थान पर कोविड का सबसे प्रमुख प्रकार बन गया।

टीके और पूर्व संक्रमण दोनों से वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा का निशाना यही

ओमिक्रोन ने तब से कई अलग–अलग वंशों, या आनुवंशिक रूप से संबंधित उपप्रकारों में विकसित होना जारी रखा है। इसमें मूल ओमिक्रोन बीए.1 (बी.1.1.529) और बीए.2 और बीए.3 भी शामिल हैं। बीए.2 बीए.1 की तुलना में अधिक संक्रामक है और अब संक्रमण के मामले में बीए.1 से आगे निकल गया है या यह भी कह सकते हैं कि यह दुनिया भर में सार्स–कोव–2 वायरस का नया प्रमुख रूप बन गया है, डब्ल्यूएचओ ने आधिकारिक तौर पर 22 मार्च 2022 को इस बारे में घोषणा की। पिछले वेरिएंट के मुकाबले ओमिक्रॉन के साथ हमने जो अंतर देखा है, उसे अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में उत्परिवर्तन द्वारा समझाया गया है, जिसमें 60 उत्परिवर्तन चीन के वुहान से उत्पन्न हुए मूल वायरस में नहीं पाए गए हैं। इन उत्परिवर्तनों में स्पाइक प्रोटीन में 32 आनुवंशिक परिवर्तन हैं।

पाकिस्तान की अजब दास्तान, पांच शादियां कर चुके पीएम शहबाज शरीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन हो गया है। शहबाज शरीफ ने सत्ता तो संभाल ली है। लेकिन अब पाकिस्तान की फर्स्ट लेडी (प्रथम महिला) कौन होगा इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल पाकिस्तान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों की ही पत्नियों को फर्स्ट लेडी कह कर संबोधित किया जाता है। क्योंकि शहबाज शरीफ ने पांच शादियां की हैं, जिनमें से दो अभी भी बरकरार हैं, ऐसे में फर्ट लेडी किसे कहा जाए इसे लेकर संशय बरकरार है। हालांकि जब शहबाज शरीफ सिर्फ नेशनल असेंबली के सदस्य थे तब भी उन्होंने अपने घर के पते के रूप में मॉडल टाउन लाहौर का पता लिखवाया था। रिपोर्ट के मुताबिक जब उनके पते पर संपर्क कर फर्स्ट लेडी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो साफ कहा गया कि उन्हें इस बारे में नहीं पता, इसके लिए पीएम हाउस में बात करें। वहीं, जब पीएम हाउस की ओर से पूछा गया तो प्रोटोकॉल और पीएसओ दोनों कार्यालयों ने एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल दी और साफ कह दिया कि उन्हें नहीं पता कि फर्स्ट लेडी कौन हैं।